

GOTTFRIED
KELLER
ZÜRICHER
NOVELLEN

Herausgegeben von
Thomas Böning

DEUTSCHER
KLASSIKER
VERLAG

INHALTSVERZEICHNIS

| | |
|--|--------------|
| Züricher Novellen | 7 |
| Erster Band | 9 |
| Hadlaub | 26 |
| Der Narr von Manegg | 109 |
| Der Landvogt von Greifensee | 132 |
| Zweiter Band | 233 |
| Das Fähnlein der sieben Aufrechten | 235 |
| Ursula | 303 |
| Erzählungen aus dem Umfeld | 373 |
| Der Wahntag | 375 |
| Verschiedene Freiheitskämpfer | 391 |
| Kommentar | 417 |
| Züricher Novellen | 419 |
| Entstehung | 419 |
| Selbstaussagen des Autors zum Werk | 433 |
| Wirkung | 444 |
| Struktur und Gehalt | 450 |
| Bildteil | nach 456 |
| Zur Textgestaltung | 457 |
| Textgrundlage | 457 |
| Textüberlieferung | 458 |
| Emmandationsverzeichnis | 461 |
| Einzelkommentar | 419 |
| Rahmen-Novelle | 462 |
| Stellenkommentar | 462 |
| Hadlaub | 485 |
| Variante | 485 |
| Stellenkommentar | 486 |

| | |
|--|-----|
| Der Narr auf Manegg | 542 |
| Stellenkommentar | 542 |
| Der Landvogt von Greifensee | 560 |
| Stellenkommentar | 560 |
| Rahmen-Novelle | 612 |
| Variante | 612 |
| Stellenkommentar | 613 |
| Das Fähnlein der sieben Aufrechten | 618 |
| Variante | 618 |
| Stellenkommentar | 625 |
| Ursula | 654 |
| Quellen | 654 |
| Stellenkommentar | 655 |
| Erzählungen aus dem Umfeld | 718 |
| Der Wahltag | 718 |
| Stellenkommentar | 720 |
| Verschiedene Freiheitskämpfer | 726 |
| Entstehung und Textgrundlage | 726 |
| Struktur und Gehalt | 729 |
| Stellenkommentar | 734 |
| Siglenverzeichnis | 752 |